वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष – २०२५

D Direction
I Innovation
S Strategy for
H Health
A Action

‘दिशा’

Regn. No.4737 (Gondia)
email: dishaarogyakutir@gmail.com
visit us at : www.dishagondia.org

ANNUAL REPORT OF DISHA 2025

(January 2025 to December 2025)

Date of Establishment of Disha Arogya Kutir	09.07.1999
No. of Revenue Villages	16
No. of villages with tolas	35
Total No. of families	2685
No. of Residential Houses	2537
No. of population covered	11669
No. of Argoya Doot (Male)	09
No. of Argoya Sevika (Female)	02
O.P.D.started at Darekasa Arogya Kutir	10th Oct., 1999
O.P.D.working days	2nd & 4th Sunday
X-Ray Machine installed	November 1999
Total No.of patients examined during 2025	3983
Average patients in O.P.D.	174
Pathology Lab. established on	09.07.2000
Patients Examined in Pathology Laboratory	249
Complete Blood Count by Cell Counter (CBC)	102
No.of ANC Profile	19
Installation of Ultra Sound Sonography machine	24.03.2002
No. of X-ray taken during the year 2025	39
No. of Ultra Sonography done (ANC)	48
No. of Ultra Sonography done (Others)	39
Dental Unit Started	11.07.2021
Dental Patients examined	53
No. of New T.B.Patients detected during this year.	01
Sputum +ve	00
X-ray +ve	01
Extra pulmonary	01
Cataract Surgery	07
No. of Major Surgery	04
No. of the Diabetes patients under treatment	30 (8 on Insulin)
No. of Hypertensive patients	53
No. of Epilepsy patients	12

Total No. of Birth	118	Birth Rate	10.11‰
Total No. of Death	81	Death Rate	6.95‰
Total No. of Maternal Death	NIL	Maternal Mortality Rate	NIL
No. of Infant death (0 to 1 yr)	NIL	Infant Mortality Rate	NIL

अल्प परिचय

गोंदिया स्थित दिशा संस्था एक स्वयंसेवी संस्था है, जो कि बिना किसी सरकारी अनुदान के दुर्गम ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों में आरोग्य सेवा पहुंचाने का कार्य गत २६ वर्षो से सफलतापूर्वक कर रही है ।

दर्रेकसा क्षेत्र के आरोग्य सेवा से वंचित लगभग २५ गावों एवं टोलों के लोगों को दिशा आरोग्य कुटीर नामक एक चिकित्सा केंद्र के माध्यम से सन १९९९ में आरोग्य सेवा देने का काम शुरु हुआ जो अब २६ वर्षो में ३५ गांवों एवं टोलों तक फैल चुका है । दर्रेकसा क्षेत्र के लगभग १२ हजार की जनसंख्या तक आरोग्य सेवा पहुंचाने हेतु दिशा संस्था द्वारा तीन स्तरों में काम किया जाता है ।

१) स्थानीय ९ शिक्षित युवकों एवं २ युवतियों को प्रशिक्षित कर आरोग्य दूत एवं आरोग्य सेविका बनाकर उनके द्वारा घर-घर, प्राथमिक चिकित्सा पहुंचाना ।

२) हर महीने के दूसरे एवं चौथे रविवार को नियमित **बाहय रुग्ण जॉंच शिविर** के माध्यम से एक्स-रे, सोनोग्राफी एवं पॅथालॉजी जॉंच की जाती है यथोचित दवाईयों का निःशुल्क वितरण किया जाता है ।

३) दिशा आरोग्य कुटीर में समय समय पर विशिष्ट जॉंच व चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसमें गोंदिया एवं नागपूर के वरिष्ठ दंतशल्य चिकित्सक, अस्थिरोग विशेषज्ञ, मेंदूरोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, चर्मरोग विशेषज्ञ, नेत्ररोग विशेषज्ञ, कैन्सर एवं ENT विभाग के विशेषज्ञ निस्वार्थ भावना से अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान करते हैं ।

त्रिस्तरीय कार्यप्रणाली के कारण, इस क्षेत्र के लोगों की आरोग्य स्थिति में सुधार लाने में दिशा संस्था को उल्लेखनीय सफलता मिली है । नियमित जॉंच एवं जागरुकता के कारण मलेरिया, टी.बी., दमा खॉंसी एवं पेट के रोगों में काफी कमी आयी है ।

आदिवासी ग्रामीण आबादी के पोषण स्थिति में भी सुधार देखा जा रहा है, आरोग्य दूतों एवं सेविकाओं द्वारा नियमित आरोग्य जानकारी एवं जन जागरण के प्रचार करने के कारण लोग साफ-सफाई, उचित खान पान की ओर ध्यान देने लगे हैं ।

स्त्रीरोग विशेषज्ञ द्वारा गर्भवती महिलाओं की नियमित जॉंच, खून की जॉंच, सोनोग्राफी आदि के कारण माता एवं बाल मृत्युदर में उल्लेखनिय कमी आई, जो कि दिशा संस्था की उपलब्धियों में **मील का पत्थर** सावित हुआ है ।

गत दो दशको में दर्रेकसा क्षेत्र के ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों/गांवों के सामाजिक एवं आर्थिक सुधार/विकास होने के कारण यहाँ के लोगों के जीवर स्तर में परिवर्तन हुआ है, दुर्गम गांवों में अब सड़कें बन गई है, मोबाईल नेटवर्क की सुलभता, शासकीय प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, उपकेन्द्र एवं चिकित्सीय उपकरणों की उपलब्धता ग्रामीणों के लिए एक वरदान है ।

गावों में प्रायमरी स्कूल, हायस्कूल, शासकीय आश्रम शाला, कनिष्ठ महाविद्यालय बन जाने से शिक्षा का स्तर अच्छा होने से ग्रामीण आदिवासी लोगों के शिक्षा स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, साथ ही सामाजिक–आर्थिक विकास से जीवन शैली में सुधार आने के कारण अब मलेरिया, दस्त, खांसी आदि बिमारियां की जगह गैर संचारित बीमारीयां जैसे डायबिटीज (मधुमेह), उच्च रक्तचाप (बी.पी.), हृदयरोग, दमा एवं युवतियों में हार्मोन्स की गड़बड़ी, कैन्सर आदि रोगों ने ले ली है, जो कि चिन्ताजनक है ।

इस बदलाव के चलते दिशा संस्था द्वारा अब इन गैर संचारित बिमारियों की रोकथाम हेतु डायबिटीज और उच्च रक्तचाप के मरीजों को सलाह एवं दवाईयां उपलब्ध कराई जाती है ।

उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह की दवाईयां तथा इन्सुलिन रियायती दरों पर उपलब्ध करायी जाती है । हर महीने खून की जॉंच एवं बी.पी. की जॉंच होने के पश्चात ही दवाईयां दी जाती है । बीमारी को नियंत्रित रखने ओर नियमित रुप से निगरानी रखने हेतु केवल एक महीनें की ही दवाई दी जाती है, तथा अन्य जॉंच जैसे ब्लड शुगर की जॉंच, किडनी की जॉंच आवश्यकतानुसार की जाती है ।

दिशा आरोग्य कुटीर में एक छोटी रुग्णवाहिका (ॲम्बुलेन्स) ऑक्सीजन सिलेंडर सहित उपलब्ध है, जो दूर–दराज के जरुरतमंद मरीजों को बहुत ही रियायती शुल्क पर, दर्रेकसा, आमगांव और गोंदिया तक पहुॅंचाने का कार्य करती है ।

अम्बुलेंस सेवा **बिना नफा–नुकसान** की तर्ज पर उपलब्ध है ।

वर्ष २०२५ वार्षिक कर्मसूचि

वर्ष २०२५ में दर्रेकसा स्थित दिशा आरोग्य कुटीर ने स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से सामाजिक उन्नति के अपने सफर के २६ वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण किये ।

जुलाई १९९९ में स्वास्थ्य सेवा से वंचित दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में उत्तम स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने की सोच के साथ दर्रेकसा में दिशा आरोग्य कुटीर की स्थापना की गई थी, अति दुर्गम २५ गॉवों को सवास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की इच्छा के साथ जो बीज बोया गया था, आज २६ वर्षो में यह कल्पवृक्ष बन अपनी छाया से लगभग १२ हजार की जनसंख्या को लाभान्वित कर रहा है ।

<u>२६ वर्ष के इस सफर में कुछ उल्लेखनिय उपलब्धियां इस प्रकार हैं :</u>

१) ग्रामीणों में स्वास्थ्यसंबंधी जागरुकता बढ रही है, विशेशकर युवतियॉ एवं महिलायें अपने एवं परिवार के स्वास्थ्य के प्रति जागरुक हुई है, इस कारण गत १५ वर्षो में माता मृत्युदर शून्य रही है, एवं बाल मृत्युदर में भी दर वर्ष उल्लेखनीय कमी हो रही है, ज्ञात हो कि वर्ष २०२५ में बालमृत्युदर शून्य है ।

२) कक्षा ८वी से कक्षा १२वीं तक के किशोरों एवं किशोरियों के शारीरिक, बौध्दिक एवं मानसिक विकास हेतु प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले योग्य मार्गदर्शन शिविर का प्रभाव उल्लेखनीय रुप से देखने को मिलता है, पिछले ५ वर्षो में किशोरवयीन छात्र-छात्राओं में एनिमिया (खून की कमी) उल्लेखनीय रुप से कम है, वे खान-पान एवं साफ सफाई पर ध्यान देने लगे है तथा सामाजिक कुरीतियां एवं रुढिवादिता से बचने लगे है ।

३) देश में लगभग २० करोड लोग मधुमेही है, दिन प्रतिदिन इनकी संख्या बढ रही है, अतः सामाजिक रुप से मधुमेह की जानकारी एवं जागरुकता बहुत जरुरी है, ग्रामीणों में भी मधुमेह बढ़ रहा है ।

दिशा संस्था द्वारा पिछले २६ वर्षो से लगातार मधुमेह जनजागरण शिविर का आयोजन प्रतिवर्ष गोंदिया में किया जाता है ।

इस शिविर में नागपूर के प्रसिध्द मधुमेह विशेषज्ञ डॉ.सुनील गुप्ता, पोषण एवं आहार विशेषज्ञा डॉ.सौ.कविता गुप्ता एवं उनके सहयोगी मधुमेहियों का उचित मार्गदर्शन बहुत ही रोचक तरीके से करते हैं ।

४) कैन्सर (कर्करोग) के प्रादुर्भाव को देखते हुए इसके शीघ्र निदान हेतु इस रोग की जानकारी एवं जागरुकता भी समय की मांग है । इस वर्ष से दिशा संस्था ने अलग अलग गॉवों में जाकर, कैन्सर रोग की जानकारी एवं इलाज के लिये उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं जागरुकता की शुरुवात ४ गॉवो से की है, दर वर्ष यह उपक्रम अलग अलग गॉवों में जारी रहेगा ।

सन २०२५ में आयोजित विशेष जॉच शिविर एवं अन्य गतिविधियॉ

दिनांक	विशेष शिविर / गतिविधियां एवं आयोजन स्थल	विशेषज्ञ/चिकित्सक/अतिथि	लाभार्थी
०५.०१.२०२५	कल्पतरु ट्रस्ट गोंदिया की ओर से डॉ.दीपक बाहेकर द्वारा Three Channel Automatic ECG Machine प्रदान की गई ।		
२६.०१.२०२५	मेंदू रोग जांच तथा उपचार शिबीर	डॉ.जयंत पांडे, वरिष्ठ मेंदू रोग तज्ञ नागपूर	५४ ई.ई.जी : ०५
२३.०२.२०२५	चर्मरोग जॉच एवं उपचार शिबीर	डॉ.सौरभ राऊत, चर्मरोग विशेषज्ञ, रायपुर	५२
२३.०२.२०२५	कक्षा १ली से १२वीं के विद्यार्थियों को टी-शर्ट वितरण	डॉ.लक्ष्मण भगत, सभापति, बांधकाम विभाग जि.प.गोंदिया हस्ते	२९५
१६.०३.२०२५	मधुमेह जनजागरण मेला एन.एम.डी.कॉलेज गोंदिया	डॉ.सुनिल गुप्ता, मधुमेह विशेषज्ञ,नागपूर डॉ.कविता गुप्ता (पोषण एवं आहार विशेषज्ञ) नागपूर, श्री राजेंद्रजी जैन, सचिव, गोंदिया शिक्षण संस्था गोंदिया	४११
०६.०४.२०२५	कॅन्सर (कर्करोग) जनजागरण कार्यक्रम (दलदलकुही/ मुरकूडोह एवं बंजारी गावों में)	डॉ.रोहिणी पाटील,स्त्रीरोग तज्ञ नागपूर डॉ.मिलींद देशमुख कर्करोग तज्ञ, रिलायंस कॅसर हॉस्पीटल गोंदिया (कारंजा)	२१३
२२.०५. से २४.०५.२०२५	मलेरिया से बचाव हेतु प्रतिबंधक गोलियां (M.R.T.) प्रदान की गई ।	मूरकूडोह नं.१ २२० मूरकूडोह नं.२ ६० मूरकूडोह नं.३ १३९ दंडारी १२२ टेकाटोला १३० टेकेझरी (लेबर कॅम्प) ७८	७४९
१३.०७.२०२५	बालरोग तथा गर्भवती महिलाओं की जांच तथा उपचार शिबीर एवं प्राविण्यप्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण समारोह	श्री रमेशकुमारजी अग्रवाल समाजसेवक आमगांव श्री रतनजी चॅटर्जी, कलकत्ता श्री श्रीराम भुस्कूटे, सेवानिवृत्त प्राचार्य, आमगांव	२९६
०७.०९.२०२५	किशोरवयीन छात्र-छात्राओं के लिये विशेष मार्गदर्शन शिबीर (गुरुदेव हायस्कूल,दर्रेकसा/ ग्यानदेव हायस्कूल विचारपूर/ आश्रमशाला, दर्रेकसा/ स्वामी विवेकानंद हायस्कूल आमगांव/ ए.पी.आय.कॉलेज आमगांव)	डॉ.राजीव मोहता, वरिष्ठ बालरोग चिकित्सक एवं प्रेरक मार्गदर्शक नागपूर डॉ.प्राजक्ता कळूसकर बालरोग तज्ञ एवं किशोरवयीन मार्गदर्शक नागपूर	४६०

दिनांक	विशेष शिविर / गतिविधियां एवं आयोजन स्थल	विशेषज्ञ/चिकित्सक/अतिथि	लाभार्थी
२८.०९.२०२५	चर्मरोग निदान व उपचार शिबीर	डॉ.सौरभ राऊत, चर्मरोग विशेषज्ञ, रायपूर	१५७
	नेत्ररोग एवं मोतीयाबिंदु जॉच एवं उपचार शिबीर	डॉ.मोहित गजभिये नेत्ररोग तज्ञ, गोंदिया डॉ.दिशा पजई, सहायक धर्मादाय आयुक्त, गोंदिया श्री राजेंद्रजी जैन, माजी वि.प.सदस्य गोंदिया	नेत्ररोग १०० मोतीबिंदु ०८
२६.१०.२०२५	दमा मरीजों की जॉच तथा उपचार शिबीर P.E.T.Camp/X-ray Lupin Company, Nagpur	श्री प्रतिक लाडूकर, मार्केटींग इंजिनियर, नागपूर	४०
२३.११.२०२५	वरिष्ठ नागरिकों (६० वर्ष के ऊपर) की हृदयरोग तथा अस्थी रोग जांच तथा उपचार शिबीर	डॉ.दर्पण चौधरी, (DM) हृदयरोग तज्ञ, गोंदिया डॉ.अभिषेक भालोटिया, अस्थिरोग शल्य चिकित्सक, गोंदिया डॉ.सुमित शर्मा, फिजियोथेरेपिस्ट, गोंदिया	३८६
३०.११.२०२५	कर्करोग (कॅन्सर) जनजागरण शिबिर एवं चादर तथा ऊनी टोपों का वितरण	डॉ.सौरभ मेश्राम, कर्मरोग तज्ञ चंद्रपूर कॅंसर हास्पीटल (टाटा ट्रस्ट) चंद्रपूर डॉ.रोहिणी पाटील,स्त्रीरोग तज्ञ नागपूर	टोपा ७४० चादर २४०
२१.१२.२०२५	ब्लेंकेट (कंबल) वितरण ग्राम दलदलकूही	दिशा संस्था गोंदिया	६३